

दुर्ग में न्यायालयीन कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया

सिटीरिपोर्टर|दुर्ग

न्यायालयीन कर्मचारियों के ज्ञान और तकनीकी दक्षता के उत्थान के उद्देश्य से शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक दिवसीय रीफ्रेश कार्यक्रम और एन-एसटीईपी प्रशिक्षण (ईसीटी 8 2026) तथा जिला मुख्यालय के न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए रीफ्रेश कार्यक्रम (ईसीटी 9 2026) ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर द्वारा उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं माननीय ई-कमेटी, के निर्देशानुसार के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में

कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम के लिए दीपक कोसले, पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग को नोडल ऑफिसर एवं पुरुषोत्तम सिंह मस्काम, अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंधन एवं सुचारु संचालन में कोर्ट मैनेजर उदयन दुबे एवं प्रमोद अचिन्त्य की सहभागिता रही, जबकि आवश्यक तकनीकी सहयोग तरुण चंद्राकर एवं ऋषि निर्मलकर द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में वर्चुअल कोर्ट - ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट, ई-समंस/N-STEP.... ई-साक्ष्य तथा सीआईएस 4.0 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में

एनजेडीजी, ई-कोर्ट सर्विस, ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और हार्ड ब्रीड हियरिंग तथा फास्टर से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के कम्प्यूटर सेल से प्रिंस कश्यप, कम्प्यूटर प्रोग्रामर; आसिफ खान, नेटवर्क इंजीनियर तथा विवेक दुबे, सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण में जिला न्यायालय दुर्ग के चयनित प्रशिक्षार्थियों में आरआर मानिकपुरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा नंदकिशोर माटे, डिप्टी सीएफसी सहित कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

न्यायालयीन कर्मचारियों को डिजिटल न्यायिक प्रणालियों का दिया प्रशिक्षण

नईदुनिया (वि.), दुर्ग : जिला एवं सत्र न्यायालय में शनिवार को न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय पुनश्चर्या एवं एन-स्टेप प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को नवीनतम सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल न्यायिक सेवाओं की व्यावहारिक जानकारी देना था।

प्रशिक्षण सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आनलाइन माध्यम से हुआ। पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दीपक कोसले को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी बनाया गया। अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह मरकाम भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सुचारु संचालन में कोर्ट मैनेजर उदयन दुबे एवं प्रमोद अचिन्त्य की भूमिका रही। तकनीकी सहयोग तरुण चंद्राकर एवं ऋषि निर्मलकर ने दिया। प्रशिक्षण के पहले सत्र में वर्चुअल कोर्ट, यातायात एवं

● वीडियो कान्फ्रेंसिंग, हाइब्रिड सुनवाई एवं फास्टर प्रणाली की दी जानकारी

परिवहन, ई-समन, एन-स्टेप, ई-साक्ष्य तथा सीआईएस 4.0 से संबंधित जानकारी दी गई। दूसरे सत्र में राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड, ई-कोर्ट सेवाएं, ई-फाइलिंग, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, हाइब्रिड सुनवाई तथा फास्टर प्रणाली के तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं को समझाया गया। उच्च न्यायालय के कंप्यूटर सेल से कंप्यूटर प्रोग्रामर प्रिंस कश्यप, नेटवर्क इंजीनियर आसिफ खान एवं साफ्टवेयर इंजीनियर विवेक दुबे ने आनलाइन प्रशिक्षण दिया। जिला न्यायालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आर.आर. मानिकपुरी, डिप्टी सीएफसी नंदकिशोर माटे सहित आदेशिका लेखक एवं आदेशिका वाहक समेत कुल 30 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

कार्यक्रम

नवीनतम सूचना व संचार प्रौद्योगिकी, ई-कोर्ट सेवाओं और डिजिटल न्यायिक प्रणालियों के संबंध में अद्यतन व व्यावहारिक जानकारी दी

कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर व N-STEP प्रशिक्षण आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर द्वारा उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं माननीय ई-कमेटी, के निर्देशानुसार के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में न्यायालयीन कर्मचारियों के ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता के उन्नयन के उद्देश्य से 19 सितम्बर 2026 को जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम एवं N-STEP प्रशिक्षण (ECT_8_2026) तथा जिला मुख्यालय के न्यायालयीन कर्मचारियों हेतु रिफ्रेशर कार्यक्रम (ECT_9_2026) ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हुआ। कार्यक्रम के लिए दीपक कोसले, पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग को नोडल ऑफिसर एवं पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, अष्टम जिला एवं



अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंधन एवं सुचारु संचालन में कोर्ट मैनेजर उदयन दुबे एवं प्रमोद अचिन्त्य की सहभागिता रही, जबकि

आवश्यक तकनीकी सहयोग तरुण चंद्राकर एवं ऋषि निर्मलकर द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में Virtual Court-Traffic and Transport, e-

Summons/N-STEP, e-Sakshya तथा CIS 4.0 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में NJDG, e-Court Services, e-Filing, Video Conferencing एवं Hybrid Hearings तथा FASTER से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के कम्प्यूटर सेल से प्रिंस कश्यप, कम्प्यूटर प्रोग्रामर; आसिफ खान, नेटवर्क इंजीनियर तथा विवेक दुबे, सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण में जिला न्यायालय दुर्ग के चयनित प्रशिक्षार्थियों में आरआर मानिकपुरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा नंदकिशोर माटे, डिप्टी सीएफसी सहित आदेशिका लेखकगण एवं आदेशिका वाहकगण को सम्मिलित करते हुए कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन कर्मचारियों को न्यायिक कार्यप्रणाली में उपयोग की जा रही नवीनतम सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ई-कोर्ट सेवाओं तथा डिजिटल न्यायिक प्रणालियों के संबंध में अद्यतन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था, जिससे वे दैनिक न्यायालयीन कार्यों में इन तकनीकों का अधिक प्रभावी एवं दक्षतापूर्वक उपयोग कर सकें।

जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को N-STEP, CIS 4.0, e-Summons, e-Sakshya, NJDG, e-Filing, Virtual Court, Hybrid Hearing तथा FASTER जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल न्यायिक सेवाओं एवं प्रणालियों की कार्यप्रणाली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

न्यायालयीन कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर एवं N-STEP प्रशिक्षण आयोजित

श्रमबिन्दु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर द्वारा माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं माननीय ई-कमेटी, के निर्देशानुसार श्री के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग के मार्गदर्शन में न्यायालयीन कर्मचारियों के ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता के उन्नयन के उद्देश्य से दिनांक 19 सितम्बर 2026 (शनिवार) को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम एवं N-STEP प्रशिक्षण (ECT_8-2026) तथा जिला मुख्यालय के न्यायालयीन कर्मचारियों हेतु रिफ्रेशर कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक संचालित हुआ। कार्यक्रम के लिए श्री दीपक कोसले, पंचम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग को नोडल ऑफिसर एवं श्री पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, अष्टम



जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंधन एवं सुचारु संचालन में कोर्ट मैनेजर उदयन दुबे एवं श्री प्रमोद अचिन्त्य की सहभागिता रही, जबकि आवश्यक तकनीकी सहयोग श्री तरुण चंद्राकर एवं श्री ऋषि निर्मलकर द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में **Virtual Court, Traffic and Transport, e-Summons/N-STEP, e-Sakshya** तथा **एड्ड्स 4.0** जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में **NJDG, e-Court Services, e-Filing, Video Conferencing** तथा **Hybrid Hearings** और **FASTER** से संबंधित

तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के कम्प्यूटर सेल से श्री प्रिंस कश्यप, कम्प्यूटर प्रोग्रामर; आसिफ खान, नेटवर्क इंजीनियर तथा विवेक दुबे, सॉफ्टवेयर इंजीनियर द्वारा विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण में जिला न्यायालय दुर्ग के चयनित प्रशिक्षार्थियों में श्री आर. आर. मानिकपुरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा नंदकिशोर माटे, डिप्टी सीएफसी सहित आदेशिका लेखकगण एवं आदेशिका वाहकगण को सम्मिलित करते हुए कुल 30 प्रशिक्षार्थियों ने सहभागिता कर

प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन कर्मचारियों को न्यायिक कार्यप्रणाली में उपयोग की जा रही नवीनतम सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ई-कोर्ट सेवाओं तथा डिजिटल न्यायिक प्रणालियों के संबंध में अद्यतन एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था, जिससे वे दैनिक न्यायालयीन कार्यों में इन तकनीकों का अधिक प्रभावी एवं दक्षतापूर्वक उपयोग कर सकें। जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाओं के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को **N-STEP, CIS 4.0, e-Summons, e-Sakshya, NJDG, e-Filing, Virtual Court, Hybrid Hearing** तथा **स्वस्त्राधिकृत जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल न्यायिक सेवाओं एवं प्रणालियों की कार्यप्रणाली के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।**